प्रेमपयोनिधि

एक मूल्याङ्कन

सम्पादक
पण्डित बनारसीदास चतुर्वेदी
सह सम्पादक
पण्डित विद्यासागर शर्मा

Scanned with OKEN Scanner

प्रकाशक :—

प्रेम-प्रकाशन

* सन्त सदन, चिरगांव (झांसी) उ० प्र०

शाखा :—

* सत्यार्थी सदन, कुण्डेश्वर (टीकमगढ़) म० प्र०

प्रबन्धक :—
विद्यासागर शर्मा
प्रेम-प्रकाशन
चिरगांव (झांसी) उ. प्र.
शाखा :—
कुण्डेश्वर (टीकमगढ़) म. प्र.

मुद्रक :—
श्री. रा. का. बेडेकर
शिवशक्ति प्रेस प्रा. लि.
बैद्यनाथ भवन, ग्रेट नाग रोड,
नागपुर—९

आवरण सज्जा :—

गुणसागर शर्मा 'सत्यार्थी'

सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

प्रथम संस्करण
१९८४ ई०

मूल्य रु० ४०=००
चालीस रुपये मात्र

प्रेम-पयोनिधि (एक मूल्याङ्कन)

अनुक्रम

क्र.	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ
१	सम्पादकीय	पं. बनारसीदास चतुर्वेदी	३
२	निवेदन	श्री विद्यासागर शर्मा	६
३	भूमिका	श्री वियोगीहरि	९
४	श्रद्धाञ्जलि	पं. बनारसीदास चतुर्वेदी	२०
५	पिता के प्रति	स्व. पं. गुलाबराय 'राय'	२४
६	अभिव्यक्ति	स्व. मैथिलीशरण गुप्त	२५
७	पुण्यश्लोक	स्व. रायकृष्णदास	२६
८	अभिवादन	पं. श्रीनारायण चतुर्वेदी	२८
९	मुंशीजी	स्व. सियाराम शरण गुप्त	३१
१०	श्रद्धा-सुमन	स्व. डा वृन्दावनलाल वर्मा	३५
११	प्रतिभापुञ्ज मुंशी अजमेरी 'प्रेम'	स्व. पद्मसिंह शर्मा	३६
१२	चिरगाँव चिररङ्क बन गया	श्री रामेश्वर दयाल दुबे	३८
१३	कवि-परिचय	डा. राय आनन्दकृष्ण	४०
१४	मुंशी अजमेरी-स्तवन	श्री सेवकेन्द्र त्रिपाठी	४५
१५	साहित्य गगन के बृहस्पति	स्व. सुधीन्द्रकुमार वर्मा	४६
१६	स्व. मुंशी अजमेरी जी	श्री कृष्णानन्द गुप्त	४९
१७	राष्ट्रकवि डा. मैथिलीशरण गुप्त के अनन्य सहयोगी मुंशी अजमेरी 'प्रेम'	सुश्री डा. मीरा खन्ना	५१
१८	अविस्मरणीय उद्‌गार	विशिष्ट साहित्यकारों द्वारा प्रस्तुत–	५५

ब्रजभाषा-काव्य

१९	सवैया	स्व. मुंशी अजमेरी 'प्रेम'	६३
२०	स्तुति	,,	६४
२१	ध्यान	,,	६५
२२	प्रेम-धर्म	,,	६६
२३	विषम-विधान	,,	६८
२४	वसन्त-विलास	,,	७१
२५	स्मरण	,,	७४
२६	सुधि	,,	७६

Scanned with OKEN Scanner

क्र.	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ
२७	सम-कन	स्व. मुंशी अजमेरी 'प्रेम'	७७
२८	चितवन	"	७८
२९	मान	"	७९
३०	बेंनी-बन्धन	"	८०
३१	राम	"	८१
३२	हे तुलसी	"	८२
३३	कुमकुमा	"	८४

बुंदेलखण्डी भाषा-काव्य

३४	बुंदेलखण्ड-वन्दना	"	८७
३५	तुलसी	"	८९
३६	नेंना	"	९०
३७	चाहना	"	९१
३८	शरद-चाँदनी	"	९२
३९	होरी	"	९३
४०	जेवनार	"	९६
४१	स्यामगारी	"	९८
४२	राम गारी	"	९९
४३	विरह	"	१०१

डिङ्गल-काव्य

४४	सूरज	"	१०२
४५	पुनवन्तोपदम	"	१०४

खड़ी हिन्दी-काव्य

४६	प्रेम-पुष्पाञ्जलि	"	१०६
४७	हिन्दी के प्रति	"	१०८
४८	बुंदेलखण्ड	"	१०९
४९	रामलाल का बाप	"	११३
५०	वीर	"	११४
५१	माली	"	११६
५२	वसन्त	"	११७
५३	होली	"	११९
५४	पुरी का पारावार	"	१२१
५५	ताजमहल	"	[illegible]

क्र.	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ
५६	सीकरी	स्व. मुंशी अजमेरी 'प्रेम'	१२८
५७	शासन और शासक	"	१३०
५८	विचित्र बलिदान	"	१३३
५९	मदन और बसन्त	"	१३८
६०	टिकेंत	"	१४०
६१	वर की खोज	"	१४३
६२	देश-प्रेम	"	१४९
६३	सु-प्रभात	"	१५०
६४	अभिसार	"	१५३
६५	परिणति	"	१५५
६६	अन्तिम उद्गार	"	१५६

दुर्लभ पत्र

६७ स्व. मुंशी अजमेरी 'प्रेम' को लिखे गये अन्यान्य विद्वान पुरुषों के विशिष्ट पत्र १५९

६८ अन्यान्य विद्वानों को लिखे गये स्व. मुंशी अजमेरी 'प्रेम' के पत्र १७७

चित्र-विवरण

१– स्व. मुंशी अजमेरी 'प्रेम', २– पं. बनारसी दास चतुर्वेदी के साथ मुंशी जी के पौत्र श्री विद्यासागर शर्मा, ३– श्री पीताम्बरापीठाधीश्वरा: परम पूज्य श्री १००८ श्री स्वामी जी महाराज, बनखण्डेश्वर दतिया, ४– विश्ववन्द्य बापू मुंशी जी से प्रभावित, ५– श्री वियोगीहरि, ६– स्व. मुंशी जी के ज्येष्ठ पुत्र पं. गुलाबराय 'राय', ७– मुंशी अजमेरी 'प्रेम', ८– श्री राय कृष्णदास जी और उनका सन्देश, ९– दद्दा (गुप्तजी) और मुंशी जी, १०– स्व. मुंशी अजमेरी 'प्रेम', ११– स्व. मुंशी अजमेरी 'प्रेम', १२– व्यंग चित्र तथा चित्र का परिचय मुंशी जी की हस्तलिपि में, १३– दूसरा व्यंग चित्र तथा चित्र का परिचय मुंशी जी की हस्तलिपि में, १४– आचार्य पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी जी का स्नेह पत्र, १५– महेन्द्र महराज श्री विरसिंह जू देव (द्वितीय)।

❋

Scanned with OKEN Scanner